

## ओवेरयिन कैंसर जागरूकता माह

स्रोत: द हट्टि

### चर्चा में क्यों?

कैंसर अनुसंधान के लिये समर्पित विश्व की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी व्यावसायिक संस्था, **अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च** ने सितंबर माह को **डब्लिग्रंथ/ओवेरयिन कैंसर जागरूकता माह** के रूप में मान्यता दी है।

- यह माह इस घातक स्त्री रोग संबंधी कैंसर के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के लिये समर्पित** है।

### नोट:

- कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कैंसर के शीघ्र नदिन को प्रोत्साहित करने के लिये भारत में प्रत्येक वर्ष **7 नवंबर** को **राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिस** मनाया जाता है।

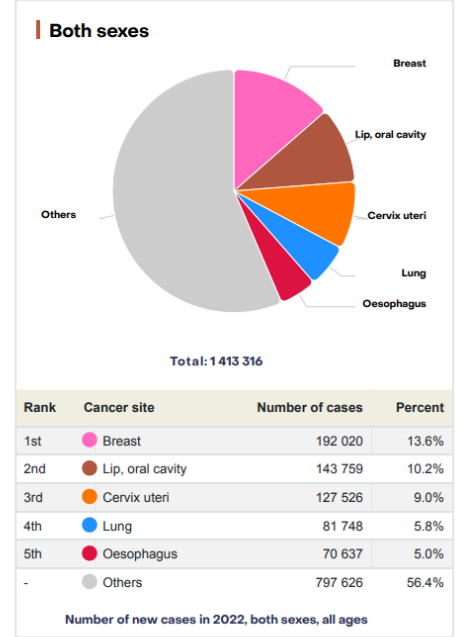
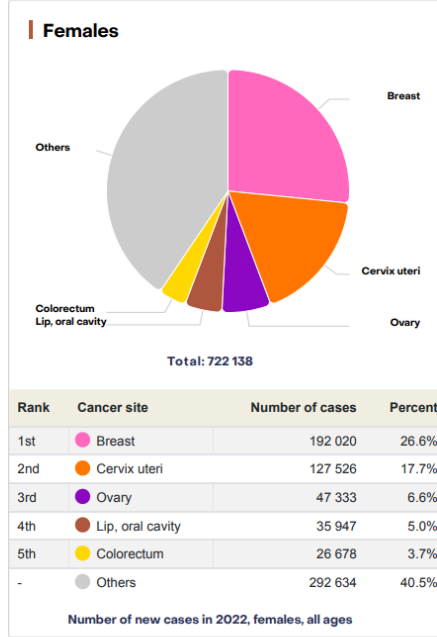
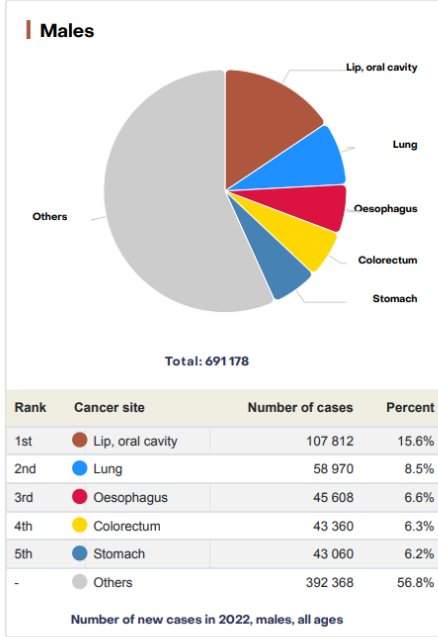
### ओवेरयिन कैंसर से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- ओवेरयिन कैंसर के बारे में:
  - डब्लिग्रंथ/ओवेरयिन कैंसर एक **कैंसरयुक्त ट्यूमर** है, जो **अंडाशय के ऊतकों में बनता है**। अंडाशय मादा जनन ग्रंथियों का एक युग्म है, जिनसे **डबि** और **मादा हार्मोन** का उत्पादन होता है।
  - **कैंसर** एक ऐसा रोग है जिसमें शरीर में **असामान्य कोशिकाएँ अनर्थांतर रूप से बढ़कर ट्यूमर का रूप ले लेती हैं**।
- **महामारी विज्ञान:** भारत में **महिलाओं में होने वाले सभी कैंसर में ओवेरयिन कैंसर का योगदान 6.6% है**। ओवेरयिन कैंसर की स्थिति विशेष रूप से इस रोग के वलंबित नदिन के कारण समस्याग्रस्त है, जो जीवित रहने की दर को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।
  - भारत में **ओवेरयिन कैंसर** महिलाओं को प्रभावित करने वाले **शीर्ष 3 कैंसरों (स्तन कैंसर और सर्वाइकल (ग्रंभाशय ग्रीवा) कैंसर के बाद)** में से एक है।
  - वर्ष 2022 में भारत में **ओवेरयिन कैंसर के 47,333 नए मामले और 32,978 मौतें दर्ज** की गईं।
- **लक्षण:** सामान्य लक्षणों में **पेट फूलना, पैल्विक या श्रोणी में दर्द, भूख न लगना, बार-बार पेशाब आना, अपच, कब्ज, पीठ दर्द, लगातार थकान, वजन कम होना और रजोनिवृत्ति के बाद योर्न से रक्तस्राव** शामिल हैं।
  - इन लक्षणों के कारण **प्रायः रोग का गलत नदिन** हो जाता है या उपचार में बहुत देरी हो जाती है।
- ओवेरयिन कैंसर के प्रकार:
  - **प्रकार I:** सामान्य तथा आमतौर पर **शीघ्र तथा बेहतर रोग नदिन**।
  - **प्रकार II:** अधिक गंभीर, आमतौर पर बाद के चरण में पता लगने वाला तथा ओवेरयिन कैंसर से होने वाली अधिकांश मौतों के लिये जम्मेदार।
- **जीवित रहने की दर:** जीवित रहने की दर बहुत हद तक **उस चरण पर निर्भर** करती है, जिस पर **कैंसर का पता** चलता है।
  - शोध से पता चलता है कि **गंभीर ओवेरयिन कैंसर से पीड़ित लगभग 20% रोगी**, जिन्हें इष्टतम उपचार मिला है, 10 वर्षों में रोग-मुक्त हो सकते हैं।
- **स्क्रीनिंग चुनौतियाँ:** स्तन कैंसर या सर्वाइकल कैंसर के विपरीत, ओवेरयिन कैंसर के लिये **कोई प्रभावी स्क्रीनिंग टेस्ट/परीक्षण नहीं है**।
  - नदिन कथि गए मामलों की मॉनटरिंग के लिये **CA125 रक्त परीक्षण** उपयोगी होते हुए भी इसकी **सीमिति विशिष्टता और गलत सकारात्मक परिणाम की संभावना के कारण** रूटीन स्क्रीनिंग के लिये **अनुशंसित नहीं है**।
    - ओवेरयिन, फैलोपियन ट्यूब या प्राथमिक चरण के पेटिनिनिल कैंसर की पहचान या पता लगाने के लिये **CA125 परीक्षण, रक्त प्रोटीन के मापन पर आधारित है**।
- **आनुवंशिक कारक:** ओवेरयिन कैंसर में एक **प्रबल आनुवंशिक घटक** होता है, जिसमें **65-85% आनुवंशिक मामले BRCA1 व BRCA2 जीन उत्परिवर्तन से जुड़े** होते हैं।
  - इन उत्परिवर्तनों वाली महिलाओं को ओवेरयिन कैंसर होने का खतरा काफी अधिक होता है।
  - BRCA1 और BRCA2 जीन **DNA की मरम्मत तथा कोशिका विभाजन को वनियमिति करने में मदद** करते हैं। इन जीनों में

उत्परिवर्तन सूतन, डमिबग्रंथि एवं अन्य कैंसर के जोखमि को बढ़ाता है।

- **जीवनशैली कारक:** टैलकम पाउडर और केश-उत्पादों में पाए जाने वाले रसायनों के संपर्क सहित कुछ जीवनशैली विकल्पों को ओवेरयिन कैंसर के संभावित जोखमि कारकों के रूप में चर्चा की गई है।
  - इसके अतिरिक्त **हारमोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (HRT)** से भी जोखमि बढ़ता है।
  - HRT का प्रयोग आमतौर पर **रजोनवृत्तसिंक्रमण के दौरान** महिलाओं में वासोमोटर और योनि असुविधा लक्षणों को नियंत्रित करने तथा इनके उपचार के लिये किया जाता है।
- **जोखमि कम करना:**
  - ओवेरयिन या सूतन कैंसर से जुड़े पारिवारिक इतिहास अथवा आनुवंशिक उत्परिवर्तन (BRCA1/BRCA2) वाली महिलाओं के लिये जेनेटिक काउंसलिंग महत्वपूर्ण है, जो जोखमि प्रबंधन और नविकारक उपायों पर अनुरूप मार्गदर्शन प्रदान करता है।
  - फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार ओवेरयिन कैंसर के जोखमि को कम करने में मदद कर सकता है।
  - आहार और व्यायाम के माध्यम से **स्वस्थ शारीरिक वजन** बनाए रखने से जोखमि कम हो सकता है।
  - **नियमित स्त्री रोग संबंधी जाँच** से जनन स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग करने और संभावित समस्याओं का शीघ्र पता लगाने में मदद मिल सकती है।

## // Top 5 most frequent cancers\*\*



## कैंसर उपचार से संबंधित सरकारी पहलें क्या हैं?

- कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड
- राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस
- HPV वैक्सीन

और पढ़ें: [कैंसर की बढ़ती चर्चाएँ](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न. कैंसरग्रस्त ट्यूमर के उपचार के संदर्भ में, साइबरनाइफ नामक एक उपकरण चर्चा में रहा है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? (2010)

- यह एक रोबोटिक इमेज गाइडेड सिस्टम है।
- यह विकिरण की अत्यंत सटीक डोज प्रदान करता है।
- इसमें सब-मिलीमीटर सटीकता प्राप्त करने की क्षमता है।
- यह शरीर में ट्यूमर के प्रसार को मैप कर सकता है।

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'RNA अंतरक्षेप [RNA इंटरफेरेंस (RNAi)]' प्रौद्योगिकी ने पछिले कुछ वर्षों में लोकप्रियता हासिल कर ली है। क्यों? (2019)

1. यह जीन अनभिव्यक्तीकरण (जीन साइलेंसिंग) रोगोपचारों के विकास में प्रयुक्त होता है।
2. इसे कैंसर की चिकित्सा में रोगोपचार विकसित करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है।
3. इसे हॉर्मोन प्रतिसिंथापन रोगोपचार विकसित करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है।
4. इसे ऐसी फसल पादपों को उगाने के लिये प्रयुक्त किया जा सकता है, जो वषिणु रोगजनकों के लिये प्रतरोधी हो।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) 1, 2 और 4
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 1 और 4

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ovarian-cancer-awareness-month>

